M.A I Sem's K. Nand
09/02/2022

के कारणों का अनुमान करते समय ये मूलभूत नियम हमारी मदद अवश्य करते हैं परन्तु अनुमानित कारण की परिशुद्धता के तार्किक सबूत पर आवश्यक बल नहीं देते।

गुणारोपण के मूलभूत नियम निम्नांकित चार हैं

1.) सहपरिवर्तन का नियम (Principle of covariation)
2.) आत्यंतिकता का नियम (Principle of extremity)
3.) नगण्य करने का नियम Principle of discounting)
4.) संवर्धन का नियम (Augmentation principle)

→ गुणारोपण के सिद्धान्त
(Theories of Attribution)

समाज मनोवैज्ञानिकों ने गुणारोपण की व्याख्या करने के लिए कुछ सिद्धान्तों (Theories) का प्रतिपादन किया है। इन सिद्धान्तों में इस बात की व्याख्या करने की कोशिश की गयी है कि व्यक्ति के अमुक व्यवहार के संभावित कारण क्या हो सकते हैं, क्योंकि व्यक्ति प्रायः एक खास तरह से व्यवहार करता है। सामान्यतः व्यवहार के दो कारण हो सकते हैं - आन्तरिक (Internal) तथा बाह्य (external)। जब व्यवहार का कारण व्यक्तिगत शीलगुण होते हैं, तब उन कारणों को आन्तरिक कारण कहा जाता है और जब व्यवहार का कारण पर्यावरणी कारण (environmental causes) होते हैं तब उन कारणों को बाह्य कारण कहा जाता है गुणारोपण की प्रक्रिया की व्याख्या करने के लिए समाज मनोवैज्ञानिकों ने निम्नांकित चार तरह के सिद्धान्तों (Theories) का प्रतिपादन किया है -

P.T.O

M.A I Sem's K. Named
09/02/2022

गुणारोपण में प्रत्यक्षणकर्ता (Perceiver) लक्षित व्यक्ति के व्यवहार के कारण का अनुमान लगाते हैं। इसलिए गुणारोपण को कारणता का प्रत्यक्षण (Perception of Causality) के नाम से भी पुकारा जाता है।

=> गुणारोपण के आन्तरिक तथा बाह्य कारक
(Internal and External factors in Attribution)

गुणारोपण (attribution) की प्रक्रिया को सामान्यतः दो कारकों (factors) के रूप में समझाने की कोशिश की गई है -

(क) आन्तरिक कारक (Internal factors)

(ख) बाह्य कारक External factors)

=> गुणारोपण के नियम
(Principles of Attribution)

प्रत्यक्षणकर्ता (Perceiver) किसी व्यक्ति या लक्षित व्यक्ति द्वारा सम्पादित व्यवहारों एवं उसके परिणामों का प्रेक्षण करने के बाद उन व्यवहारों को उत्पन्न करने वाले कारणों का अनुमान करता है। इस प्रक्रिया को कारणात्मक गुणारोपण (causal attribution) कहा जाता है। विभिन्न व्यवहारों का कारणात्मक गुणारोपण (causal attribution) करते समय हम कुछ मूलभूत नियमों का पालन करते हैं। यह आवश्यक नहीं है कि इन नियमों द्वारा किसी व्यवहार के वास्तविक कारणों को हम ज्ञात कर ही लें क्योंकि व्यवहार